Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृतिस्तु कृषिकर्मेव

डा. शिशपाल सिंह
सहायक प्राध्यापक

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./21/ दिनांक 20.07.2021

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 20 जुलाई 2021 से 24 जुलाई 2021 तक

<u>मौसमपूर्वानुमान</u>: भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		20.07.2021	21.07.2021	22.07.2021	23.07.2021	24.07.2021
1.	वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**3**	**8**	**1**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	आंशिक बादल	बादल	घने बादल	आंशिक बादल
3.	तापमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**38**	**39**	**39**	**38**	**38**
	न्यूनतम	**29**	**29**	**29**	**28**	**28**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी	दक्षिणी पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**65**	**64**	**59**	**62**	**59**
	न्यूनतम	**40**	**35**	**31**	**36**	**37**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**26**	**26**	**19**	**9**	**22**
7	कुल वर्षा	**12.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में हल्की वर्षा होने के साथ दिन व रात के तापमान मे कमी होने, कम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ तेज गति की हवाएँ चलने और बादल छाए रहने की संभावना है।**
  - **किसान भाई महामारी कोविड19 से बचाव हेतु भारत सरकार व स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन को मानते हुये आपस में कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखें ।**
  - जहाँ कही भी खरपतवार हो उसे नष्ट करें।
  - मूँगफली की फसल में मृदा जनित व्याधियों (संधि विगलन/जड़ गलन) के नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा उपचारित गोबर की खाद (1 किलो ट्राइकोडर्मा हरजेनियम/100 किलो गोबर की खाद) तैयार कर ले, जिससे मूँगफली के खेत में डाल सकें।
  - अगेती बुवाई वाली मूँगफली में बुवाई के 40 दिन बाद कोई अंतः शस्य क्रियाएं ना करें।
  - मानसून बरसात की सम्भावना को देखते हुए खरीफ फसलो की बुवाई के लिए बीज, खेत एवं अन्य संसाधन तैयार रखे।
  - खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बाजरा की आर.एच.बी.-121, एच.एच.बी.-67(उन्नत), एच.एच.बी.-60, राज-171 जी.एच.बी.-538, आर.एच.बी.-90, पूसा-605, आई.सी.एम.एच.-356, आर.एच.बी.-177 व एम.पी.एम.एच.-17; मूंग की एस.एम.एल.-668, एम.यू.एम - 2, आर.एम.जी. -62, आर.एम.जी. -268, के -851, आर.एम.जी. -492; ग्वार की एच.जी.-75, आर,जी,सी.- 936, आर,जी,सी.-197, आर,जी,सी.-986, आर,जी,सी.-1017, आर,जी,सी.-1002, आर,जी,सी.-1003; तिल की आर.टी. - 46, आर.टी. - 125, आर.टी. - 127, आर.टी. - 346, आर.टी. - 351; और मोठ की आर.एम.ओ.-257, आर.एम.ओ.-225, आर.एम.ओ.-435, आर.एम.ओ.-423, आर.एम.ओ.-40 व आर.एम.ओ.-2251 किस्में क्षेत्र के लिए उपयुक्त है।
  - बाजरे की बुवाई के लिए 1 किलो बीज /बीघा ; मोठ के लिए 3 किलो बीज /बीघा ; मूँग के लिए 4 किलो बीज/बीघा; तिल के लिए आधा किलो बीज/बीघा तथा शाखा युक्त ग्वार के लिए 4 किलो बीज /बीघा व एकल शाखा युक्त ग्वार के लिए 6 किलो बीज /बीघा का प्रयोग करें।
  - अनार की मृग बाहर फसल लेने के लिए इस मे सिंचाई बंद कर दें।
  - किन्नों के नये बाग लगाने हेतु 6 मीटर x 6 मीटर की दूरी पर 1 मीटर x 1 मीटर x 1 मीटर आकार के गड्डों की खुदाई कर 20 दिन खुला छोड़ देंवे।
  - खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें।
  - हरा चारा फसलों मे नियमित रूप से सिंचाई करें।
  - खेत में चूहों के नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड + आटा + खाने का तेल का 2 : 94 : 4 के अनुपात में मिश्रण का चुगा खुले बिल्लो पर रखें ।
  - भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें।
  - पालतू पशुओं को लू से बचाए।
  - पशुओं में पेट के कीड़े मारें व खुर पक्का - मुँह पक्का, काला ज्वर व गल घोंटू बीमारी के टीके मानसून से पहले - पहले लगवाएँ।